***दैनिक जीवन के लिए नीतिवचन* (*भाग*-8)**

समझदारी पर नीतिवचन
रविवार, 15 मार्च 2026 – उपदेश की रूपरेखा

अब तक हमने देखा:
नीतिवचन में बुद्धि के बारे में
नीतिवचन में संबंधों के बारे में
नीतिवचन में परिवार के बारे में
नीतिवचन में पवित्रता और ईमानदारी के बारे में
नीतिवचन में अनुशासन और आत्म-संयम के बारे में
नीतिवचन में काम के बारे में
नीतिवचन में नेतृत्व के बारे में

आज: समझदारी पर नीतिवचन

समझदारी = "चतुर होना, सूझ-बूझ रखना"

समझदारी बुद्धिमान दूरदृष्टि और रणनीतिक सोच है। यह कार्य करने से पहले लागू की गई बुद्धिमानी भरी रणनीति है, जिसमें आगे की सोच रखना, जालों से बचना और जटिल परिस्थितियों में बुद्धिमानी से कार्य करना शामिल है। समझदारी का उपयोग अच्छे कार्यों के लिए सकारात्मक रूप से या बुरे कार्यों के लिए नकारात्मक रूप से भी किया जा सकता है।

नीतिवचन की पुस्तक सरल लोगों को समझदारी सिखाने के लिए दी गई है।

नीतिवचन 1:4 (HINOVBSI)
भोले लोगों को चतुराई देने के लिए,
और जवान को ज्ञान और विवेक देने के लिए।

नीतिवचन 8:5 (HINOVBSI)
हे भोले लोगो, चतुराई समझो;
और हे मूर्खो, समझदार मन के हो जाओ।

आइए एक समझदार व्यक्ति की कुछ विशेषताओं को सीखें और देखें कि समझदारी कैसे कार्य करती है।

एक समझदार व्यक्ति की आठ विशेषताएँ
1. आत्म-संयमी बनें

नीतिवचन 12:16 (HINOVBSI)
मूर्ख का क्रोध तुरंत प्रकट हो जाता है,
परन्तु चतुर मनुष्य अपमान को ढाँप देता है।

यह नीतिवचन दो प्रकार की प्रतिक्रियाओं की तुलना करता है: तुरंत प्रतिक्रिया और बुद्धिमानी से आत्म-संयम। यहाँ "अपमान को ढाँपना" पाप को छिपाना नहीं है। इसका अर्थ है छोटी-छोटी बातों को सार्वजनिक रूप से न बढ़ाना, संयम रखना और बदला लेने से बचना। समझदार व्यक्ति अपमान को महसूस करता है, परन्तु अपनी प्रतिक्रिया को नियंत्रित करता है।

2. वाणी में चयनशील बनें

नीतिवचन 12:23 (HINOVBSI)
चतुर मनुष्य ज्ञान को छिपाए रहता है,
परन्तु मूर्खों का मन मूर्खता प्रकट करता है।

समझदार व्यक्ति सोच-समझकर बोलता है, जबकि मूर्ख बिना सोचे और अत्यधिक बोलकर अपनी मूर्खता प्रकट करता है।

3. अपने कार्यों में सोच-समझकर चलें

नीतिवचन 13:16 (HINOVBSI)
हर चतुर मनुष्य ज्ञान के साथ काम करता है,
परन्तु मूर्ख अपनी मूर्खता प्रकट करता है।

नीतिवचन 14:8 (HINOVBSI)
चतुर की बुद्धि अपनी चाल को समझना है,
परन्तु मूर्खों की मूर्खता छल है।

समझदार व्यक्ति उद्देश्यपूर्ण जीवन जीता है। वह जीवन को यूँ ही होने नहीं देता, बल्कि परमेश्वर की सहायता से अपने जीवन की दिशा को समझदारी से निर्धारित करता है।

4. विवेकशील बनें

नीतिवचन 14:15 (HINOVBSI)
भोला हर बात का विश्वास कर लेता है,

परन्तु चतुर मनुष्य अपने कदमों को भली-भाँति सोचता है।

समझदार व्यक्ति बिना जाँचे किसी बात को स्वीकार नहीं करता। वह जानकारी को परखता है, परिणामों पर विचार करता है और फिर निर्णय लेता है।

5. सीखने के लिए तैयार रहें

नीतिवचन 15:5 (HINOVBSI)
मूर्ख अपने पिता की शिक्षा को तुच्छ जानता है,
परन्तु जो डाँट को मानता है वह चतुर है।

6. वाणी में दयालु बनें

नीतिवचन 16:21 (HINOVBSI)
बुद्धिमान मनुष्य समझदार कहलाता है,
और मधुर वाणी से शिक्षा बढ़ती है।

हम जिस प्रकार बोलते हैं, वही निर्धारित करता है कि लोग हमारी बातों को कैसे ग्रहण करेंगे। यहाँ "मधुर वाणी" का अर्थ चापलूसी नहीं है, बल्कि दयालुता, कोमलता, स्पष्टता और दृढ़ता के साथ बोलना है।

7. सीखने के लिए उत्सुक रहें

नीतिवचन 14:18 (HINOVBSI)
भोले लोग मूर्खता के अधिकारी होते हैं,
परन्तु चतुर लोग ज्ञान से मुकुट पहनते हैं।

नीतिवचन 18:15 (HINOVBSI)
समझदार का मन ज्ञान प्राप्त करता है,
और बुद्धिमान का कान ज्ञान की खोज करता है।

8. आगे की सोच रखने वाले बनें

नीतिवचन 22:3 (HINOVBSI)
चतुर मनुष्य विपत्ति को देखकर छिप जाता है,
परन्तु भोले लोग आगे बढ़ते हैं और दण्ड पाते हैं।

नीतिवचन 27:12 (HINOVBSI)
चतुर मनुष्य विपत्ति को देखकर छिप जाता है,
परन्तु भोले लोग आगे बढ़ते हैं और दण्ड पाते हैं।

समझदार व्यक्ति दूरदृष्टि रखता है और समय रहते सावधानी बरतता है। वह आने वाले खतरों को पहले ही पहचान लेता है और बुद्धिमानी से प्रतिक्रिया करता है। इसे सकारात्मक अर्थ में भी समझा जा सकता है—अवसरों को पहले से पहचानना, उनके लिए तैयारी करना और समय आने पर तुरंत आगे बढ़ना।

लाइफ़ ग्रुप अध्ययन मार्गदर्शिका

***दैनिक जीवन के लिए नीतिवचन* (*भाग*–8)**
समझदारी पर नीतिवचन
रविवार, 15 मार्च 2026 – उपदेश की रूपरेखा

यह लाइफ़ ग्रुप चर्चाओं में उपयोग के लिए एक सरल मार्गदर्शिका है। हमारा उद्देश्य रविवार के उपदेश के अनुप्रयोग पर ध्यान केंद्रित करना है—कि प्रत्येक व्यक्ति कैसे वचन का करने वाला बन रहा है और अपने जीवन को परमेश्वर के पवित्र वचन पर बना रहा है। लाइफ़ ग्रुप की बैठक सामान्यतः 1.5 से 2 घंटे की होती है। प्रत्येक लाइफ़ ग्रुप में लगभग 12–15 लोग होते हैं।

तैयारी

लाइफ़ ग्रुप लीडर:

लाइफ़ ग्रुप बैठक की तैयारी के लिए आप उपदेश सुन सकते हैं या रविवार के उपदेश नोट्स की समीक्षा कर सकते हैं। कृपया लाइफ़ ग्रुप के दौरान पूरे उपदेश नोट्स पढ़ने के लिए समूह को न कहें। आपको केवल नीचे दिए गए

शास्त्र संदर्भों को अलग-अलग व्यक्तियों से पढ़वाना है और फिर दिए गए प्रश्नों के माध्यम से चर्चा, साझा करने और सीखने का समय खोलना है।

ये सभी संसाधन "ऑल पीपल्स चर्च बैंगलोर" मोबाइल ऐप में या हमारी उपदेश वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं। लाइफ़ ग्रुप बैठक के लिए प्रार्थना करें और पवित्र आत्मा के कार्य और सेवकाई को आमंत्रित करें।

स्वागत

लाइफ़ ग्रुप बैठक प्रार्थना, आराधना और किसी रोचक गतिविधि के साथ आरम्भ हो सकती है।

परमेश्वर के वचन को सुनें

नीचे सूचीबद्ध एक या अधिक पवित्रशास्त्र के पद पढ़ें।

मिलकर परमेश्वर के वचन की जाँच करें

लाइफ़ ग्रुप चर्चा-आधारित और सहभागिता से भरी बैठक होती है, जिसमें हर किसी को अपनी सीख साझा करने का अवसर मिलता है। कृपया इनमें से कुछ बातों पर मिलकर चर्चा करें और लोगों को अपने विचार साझा करने के लिए समय दें। हम प्रत्येक व्यक्ति को प्रोत्साहित करते हैं कि वह समूह चर्चा के दौरान अपनी व्यक्तिगत सीख के नोट्स बनाए।

1. समझदारी का अर्थ क्या है, इस पर चर्चा करें।

एक समझदार व्यक्ति की 8 विशेषताओं की समीक्षा करें और उनमें से कुछ पर विस्तार से चर्चा करें, यह देखते हुए कि इन नीतिवचनों को हम अपने दैनिक जीवन में कैसे लागू कर सकते हैं।

एक समझदार व्यक्ति की आठ विशेषताएँ:

आत्म-संयमी बनें (नीतिवचन 12:16)

वाणी में चयनशील बनें (नीतिवचन 12:23)

अपने कार्यों में सोच-समझकर चलें (नीतिवचन 13:16; 14:8)

विवेकशील बनें (नीतिवचन 14:15)

सीखने के लिए तैयार रहें (नीतिवचन 15:5)

वाणी में दयालु बनें (नीतिवचन 16:21)

सीखने के लिए उत्सुक रहें (नीतिवचन 14:18; 18:15)

आगे की सोच रखने वाले बनें (नीतिवचन 22:3; 27:12)

प्रत्येक व्यक्ति कुछ समय (अधिकतम 3 मिनट) लेकर एक या दो मुख्य अंतर्दृष्टियाँ साझा करे और बताए कि वह उन्हें अपनी विशिष्ट जीवन परिस्थितियों में कैसे लागू करेगा/करेगी। सभी को भाग लेने और साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

संगति (FELLOWSHIP): अपने जीवन और आत्मिक यात्रा को साझा करें

प्रत्येक व्यक्ति कुछ समय (अधिकतम 3 मिनट) लेकर परमेश्वर के साथ अपनी चाल से जुड़ी कोई बात, वह शिक्षा जो परमेश्वर उसे सिखा रहा है, प्रार्थना के उत्तर की कोई गवाही, या कोई विशेष चुनौती साझा करे जिसके लिए वह प्रार्थना चाहता/चाहती है। सभी को भाग लेने और साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।

एक-दूसरे को प्रोत्साहित करें: प्रार्थना और सेवकाई द्वारा

दो या तीन के छोटे समूहों में बँट जाएँ और बारी-बारी से परमेश्वर का धन्यवाद करें और आज जो सीखा गया उसके अनुसार एक-दूसरे के लिए प्रार्थना करें। पवित्र आत्मा की सुनें। पवित्र आत्मा के वरदानों के प्रवाह की अपेक्षा करें—चंगाई, चमत्कार, भविष्यवाणी आदि के लिए।

फिर से एकत्र होकर मिलकर प्रार्थना करें:

1.परिवारों की सुरक्षा और सुदृढ़ता के लिए

2.कलीसिया के रूप में हम पर और हमारे द्वारा हमारे शहर और राष्ट्र में बहुतों को आशीष देने के लिए परमेश्वर के पवित्र आत्मा के महान उंडेले जाने के लिए। केवल परमेश्वर के आत्मा का महान कार्य ही हमारे शहर और राष्ट्र को बदल सकता है।

BUILD TO IMPACT परियोजना के लिए—कि जब हम अपने बाइबल कॉलेज और कलीसिया की सुविधाओं की योजना बनाते और निर्माण करते हैं, तो सभी विवरण भली-भाँति पूरे हों, ताकि हम प्रभु और लोगों की सेवा कर सकें।

समापन

मिलकर परमेश्वर का धन्यवाद करते हुए बैठक समाप्त करें।